क्रमांक 3491119/
प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, तुलसी नगर, भोपाल

भोपाल, दिनांक.....

प्रति,

मुख्य अभियंता,
यमुना कछार
जल संसाधन विभाग, ग्वालियर ।

विषयः-- कार्यों का निरीक्षण दिनांक 04.11.2016

दिनांक 04 नवम्बर 2016 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के व्दारा आपके साथ कार्यों का निरीक्षण किया गया ।

निरीक्षण से संबंधित मुख्य बिन्दु निम्नानुसार हैः-

1. अपर ककेटो जलाशय के स्पिलवे से दूसरी ओर जाने हेतु सुगम्य व्यवस्था करें ।

2. ककेटो जलाशय बांध से लगे हुये भाग में अत्यधिक झाड़िया एवं वृक्ष लगे हुये है । बांध से लगे हुये भाग से कम से कम 10 मीटर की दूरी तक किसी प्रकार के वृक्ष इत्यादि नहीं होना चाहिये, जिससे सीपेज आदि की निगरानी सुचारू रूप से हो सके । ककेटो से पहसारी जलाशय के पोषक नहर में लगभग 600 मीटर तक शाट-क्रीटिंग किया जाना शेष बताया गया है । कृपया इस कार्य का प्राक्कलन शीघ्र प्रेषित करें, जिससे तिघरा बांध में पानी प्रेषण में रिसाव से जलहानि कम हो ।

3. ककेटो जलाशय एवं पहसारी जलाशय में अनेकों जगह वायरलेस के टावर लगे हुये है जिनका अब कोई उपयोग नहीं है इन्हें अपलेखित करें तथा "जहाँ हैं जैसे हैं" आधार पर नीलामी के माध्यम से विक्रय करें ।

4. पहसारी जलाशय से साँख नहर, साँख पिक अप वियर तक जाने वाली पोषक नहर की लाईनिंग नहीं हुई, जिससे तिघरा को जाने वाले पानी में रिसाव के कारण कमी होती है । इस नहर में सीमेंट कंक्रीटिंग लाईनिंग का प्रस्ताव दिनांक 30.11.2016 तक प्रेषित करें ।

5. साँख पिक अप वियर में स्कौरिंग एवं नहर स्लूस बंद पाये गये, जो संचालन योग्य नहीं हैं । इन्हें विद्युत यांत्रिकीय संरचना के सहयोग से

सुधरवाये जाए । स्कारिंग स्लूस का किसी भी पिक अप वियर में अत्यधिक महत्व है । सैद्धांतिक रूप से नहर स्लूस एवं स्कौरिंग स्लूस में से एक समय में कोई एक ही खुला रहना चाहिये ।

6. तिघरा जलाशय में बांध के ऊपर निरीक्षण पथ सुगम्य नहीं है तथा जोखिम भरा है । विश्वेशरैया गेट के संचालन हेतु लगे हुये क्रेन एक जगह रखें, जिससे बांध के ऊपर सुगमता पूर्वक अधिकारी निरीक्षण कर सकें । अनेक जगहों पर रेलिंग इत्यादि नहीं है, जबकि वर्तमान में पर्यटन विकास निगम के व्दारा इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के कारण बड़ी संख्या में आते हैं, किसी दिन कोई दुर्घटना हो सकती है । अतः बांध के ऊपर जहां–जहां संभव हो रेलिंग की व्यवस्था करें, जिससे अनायास यदि कोई अनजान व्यक्ति भी इस स्थान पर पहुॅचे तो दुर्घटना का शिकार न हो ।

7. बांध के ऊपरी भाग से स्लूस टावर के पास नीचे नहर के पास उतरने के लिये स्टील की सीढ़ियॉ बनायी जाए, जिससे कर्मचारी सुगमता से गेट संचालन के बाद नहर पर पहुॅच सके । वर्तमान में बांध के काउन्टर फोर्ट से नीचे उतरते हैं, जो सुरक्षित नहीं है ।

8. विश्वेशरैया गेट के नीचे निरीक्षण के समय पानी में काई इत्यादि के कारण चलने में असुविधा होती है । स्टिलिंग बेसिन की ओर उतरने के लिये तथा दूसरी ओर ऊपर पहुँचने के लिये सुगम सीढ़िया बनायें तथा ध्यान रखे की सीढ़ियों की ऊॅचाई 15 से.मी. से अधिक न हो तथा चौड़ाई कम से कम 30 से.मी. हो ।

9. बांध के शेष भाग में शॉटक्रीटिंग के कार्य का प्रस्ताव इस कार्यालय को प्रेषित करें ।

10. पर्यटको के कारण बढ़ी हुई आवाजाही से बांध को सुरक्षित रखने के लिये विभागीय परिसर को पूरी तरह से बंद रखें, तथा चहार दीवार बनाये । यह एक संवेदनशील क्षेत्र है तथा ग्वालियर नगर में पेय जल का प्रमुख स्रोत्र है ।

(एम.जी.चौबे)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग

पृष्ठांकन क्रमांक 3491119 / कार्य / प्र.-8 भोपाल, दिनांक 25-11-16
प्रतिलिपि–

1. प्रमुख सचिव, म.प्र.शासन जल संसाधन विभाग, मंत्रालय भोपाल की ओर सूचनार्थ ।
2. अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मण्डल, ग्वालियर /मुरैना/दतिया ।
3. कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, ग्वालियर,/दतिया ।
4. वैब मैनेजर, कार्यालय परियोजना संचालक, (पाईकू) जल संसाधन विभाग, भोपाल की ओर वैब साईट पर प्रदर्शित करने हेतु ।

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

23.11.16

(एम.जी.चौबे)
प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग